सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 202
03/03/2017

राज्यपाल ने आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया

पटना, 03 मार्च 2017 ::–''आज की दुनियाँ की भाग–दौड़ में भी संगीत हमारे दिल को शुकून देता है। हमें सुसंस्कृत बनाता है, हमारे भीतर प्रेम, भक्ति, शांति और सौन्दर्य–चेतना विकसित करता है। एक जगह एक साथ बैठकर जब हम संगीत का आनंद लेते हैं, तो इससे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को भी मजबूती मिलती है।'' – उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने स्थानीय भारतीय नृत्य कला मंदिर सभागार में 'आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता' के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने के बाद व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि आज सूचना–क्रांति और तकनीकी विकास के दौर में भी सूदूरवर्त्ती देहाती क्षेत्रों में गीत–संगीत और समाचार आदि सुनने के लिए अभिवंचित और गरीब लोगों के पास रेडियो ही एकमात्र विकल्प बचा हुआ है। रेडियो–प्रसारणों के आज तौर–तरीके बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन के पास गीत–संगीत एवं कला–संस्कृति की जो अकूत सम्पदा और विरासत मौजूद है, वह दूसरे संस्थानों में बहुत कम उपलब्ध है। श्री कोविन्द ने सुझाया कि आकाशवाणी एवं दूरदर्शन की प्रमुख एवं लोकप्रिय प्राचीन विरासतों को इनकी लाइब्रेरी से निकालकर, उनका इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल संग्रहण करना चाहिए और इसे सर्वसुलभ बनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार कला–संस्कृति, साहित्य और संगीत की दृष्टि से, अत्यन्त समृद्ध राज्य रहा है। बिहार के दरभंगा घराने, पटना घराने और बेतिया घराने आदि का भारतीय संगीत परम्परा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बिहार की समृद्ध ध्रुपद एवं ठुमरी गायन–परम्परा के अलावे यहाँ की पखावज, सितार, तबला आदि की वाद्य– परम्परा भी अत्यन्त समृद्ध रही है। श्री कोविन्द कहा कि आज पाश्चात्य संगीत के कर्कश शोर में भी भारतीय गीत–संगीत को जगाए रखने की आवश्यकता है। शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत दोनों की अपनी–अपनी खूबसूरती और विशेषताएँ हैं। हमें दोनों ही रूपों को विकसित करना चाहिए।

राज्यपाल ने प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कुछ प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों को भी सुना। कार्यक्रम में आकाशवाणी के अपर महानिदेशक ग्रुप कैप्टन श्री पी॰के॰ नायडू ने स्वागत भाषण किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन सहायक निदेशक श्री के॰के॰ सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री आर. के. सिन्हा, संगीतज्ञ डॉ॰ गजेन्द्र नारायण सिंह, आकाशवाणी पटना के निदेशक श्री पी॰के॰ ठाकुर, दूरदर्शन केन्द्र पटना के निदेशक श्री पी॰एन॰ सिंह, संयुक्त निदेशक श्री आर॰ उपाध्याय आदि भी उपस्थित थे।

.....